



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्रमाणित से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 284]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 11, 1986/आषाढ़ 20, 1908

No. 284]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 11, 1986/ASADHA 20, 1908

इस भाग को भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1986

प्रादेश

का. आ. 419(घ):—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 64(ज) तारीख 10 नवम्बर, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल एण्ड फाइटोकैमिकल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. इसाको हाउस (रूसरी मंजिल) 1 और 2 बीबीनर्स रोड, कलकत्ता-700001 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) से. वा. पाल लीहमैन (इंडिया) लि. कलकत्ता मानक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) का प्रबंध 10 नवम्बर, 1978 से प्रारंभ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 793(घ), तारीख 9 नवम्बर, 1981, सं. का. आ. 312(घ), तारीख 8 मई, 1982 सं. का. आ. 789(घ), तारीख 9 नवम्बर, 1982, सं. का. आ. 801(घ), तारीख 10 नवम्बर, 1983 सं. का. आ. 364(घ), तारीख 8 मई, 1984,

सं. का. आ. 825(घ), तारीख, 9 नवम्बर, 1984, सं. का. आ. 926(घ), तारीख 7 दिसम्बर, 1984 और सं. का. आ. 104(घ) तारीख 8 फरवरी, 1985 और सं. का. आ. 596(घ) तारीख 8 अगस्त, 1985, सं. का. आ. 730(घ) तारीख 8 अक्तूबर, 1985 सं. का. आ. 108(घ), तारीख 9 अप्रैल, 1986, सं. का. आ. 205(ज) तारीख 23 अप्रैल, 1986 सं. का. आ. 247(घ) तारीख 8 मई, 1986, सं. का. आ. 303 दिनांक 26 मई, 1986 और सं. का. आ. 344(घ) दिनांक 6 जून, 1986, सं. का. आ. 368(घ) दिनांक 19 जून, 1986 एवं सं. का. आ. 410 (घ) दिनांक 8 जुलाई 1986 1986 द्वारा उद्योग विकास और विनियमन (अधिनियम) 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की शान्ति से उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 10 जुलाई, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, सात वर्ष, आठ माह एवं 5 दिवस की अवधि के लिए करते रहने के लिए समय समग्र पर निर्देश दिये थे, और केन्द्रीय सरकार ने अपनी यह राय होने पर कि जन साधारण के हित में समीचीन था कि उक्त प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध मान वष आठ माह और पांच दिवसों की समाप्ति की अवधि के पश्चात् करता रहे, उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को आवेदन किया था और उससे ऐसे प्रबंध को छह माह की और अवधि के लिए बनाये रखने की प्रार्थना की थी।

और उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश तारीख 9 जुलाई, 1986 द्वारा उक्त प्रधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध एक माह की और अवधि के लिए करते रहने की अनुज्ञा दी थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 चक की उक्त धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त आदेश एक माह तक की, जिसमें 9 अगस्त, 1986 की तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 4(2) 80—सी. यू. एन.]

ए. वी. गोकक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 11th July, 1986

ORDER

S.O. 419(E).—Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S. O. 641(E), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government and authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, 2nd Floor), 1 and 2, Barberne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the Industrial undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann(India) Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) for a period three years commencing on the 10th November, 1978;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 793(E), dated the 9th November, 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E), dated the 10th November, 1983, S.O. 364(E), dated the 8th May,

1984, S.O. 825(E), dated the 9th November, 1984, S.O. 926(E), dated the 7th December, 1984, S.O. 104(E), dated the 8th February, 1985, S.O. 596(E), dated the 8th August, 1985, S.O. 730(E), dated the 8th October, 1985, S.O. 180(E), dated 9th April, 1986, S.O. 205(E), dated 23rd April, 1986, S.O. 247(E), dated the 8th May, 1986, S.O. 303(E), dated 26th May, 1986, S.O. 344(E) dated the 6th June, 1986 S.O. 368(E) dated 19th June, 1986 and S.O. 410(E) dt. 8th July, 1986 the Central Government, with the permission of the High Court at Calcutta under Section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of seven years eight months and five days upto and inclusive of the 10th July, 1986.

And, whereas, the Central Government being of the opinion that it was expedient in the interest of the general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after to expiry of the said period Seven years Eight months and five day made an application under the proviso to sub-section (2) of the Section 18 FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of six months;

And, whereas, the said High Court, by its order dated 9th July, 1986, permitted the said authorised person to continue to manage the said Industrial Undertaking for a further period of One month.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of One month upto and inclusive of the 9th August, 1986.

[F. No. 4(2)|80-CUS]

A. V. GOKAK, Jt. Secy.